निदेशक मंडल

1. **डॉ. जिवतेश सिंह मैनी**
   अतिरिक्त सचिव और वित्तीय सलाहकार,
   भारत सरकार,
   रसायन और उर्वरक मंत्रालय,
   (24.05.2005 से)
2. **श्री. अशोक चावला**
   संयुक्त सचिव, भारत सरकार,
   रसायन और उर्वरक मंत्रालय,
   (24.05.2005 तक)
3. **श्री. शरद गुप्ता**
   संयुक्त सचिव, भारत सरकार,
   रसायन और उर्वरक मंत्रालय,
   (27.07.2004 तक)
4. **प्रो. एन.के.सिंह**
   विशेष निदेशक,
   औद्योगिक और वित्तीय पुनरूत्थान,
   बोर्ड द्वारा नामित
   (09.11.2004 तक)
5. **श्री. रमेश इंदर सिंह,**
   संयुक्त सचिव, भारत सरकार,
   रसायन और उर्वरक मंत्रालय,
   (23.08.2005 तक)
6. **श्री. जी. एस सन्धु,**
   संयुक्त सचिव, भारत सरकार,
   रसायन और उर्वरक मंत्रालय,
   (23.08.2005 से)
7. **श्री. एम.सी. अब्राहम,**
   प्रबंध निदेशक
   (11.03.1998 से)
8. **श्री.रविन्द्र गर्ग**
   निदेशक (वित्त)
   (13.05.2005 से)

श्री. ए.एस. वैद्य,
कंपनी सचिव

लेखा परीक्षक
मेसर्स खंडेलवाल जैन एंड असोसिएटस,
सनदी लेखापाल
प्रथम तल अलंकार सिनेमा बिल्डिंग
16 कनॉट रोड
पुणे - 411001

बैंकर्स
स्टेट बैंक ऑफ इंडिया,
पंजाब नॅशनल बैंक
महाराष्ट्र बैंक
विजया बैंक
ओरियंटल बैंक ऑफ कामर्स,
सेंट्रल बैंक
यूनाईटेड कमर्शियल बैंक

पंजीकृत और निगमित कार्यालय,
हिन्दुस्तान एंटिबायोटिक्स लि,
पिम्परी, पुणे - 411018

Web Site : **www.hindantibiotics.com**

ब्यौरा

विवरण	पृष्ठ संख्या
1. सूचना	02
2. निदेशकों की रिपोर्ट	03-12
3. लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट और प्रबंधन के उत्तर	13-22
4. नियंत्रक और महालेखा परीक्षकों की टिप्पणी,	23
5. तुलन पत्र और लाभ एवं हानि खाता लेखा के साथ अनुसूचियाँ और टिप्पणियाँ	24-54

+

सूचना

इक्यावनी वार्षिक आम बैठक

एतद द्वारा यह सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित कार्य के लिये कंपनी की इक्यावनी वार्षिक आम बैठक 19 अगस्त 2006 शनिवार को अप. 1.30 बजे कंपनी के बोर्ड रूम, पिंपरी, पुणे में निम्नलिखित कार्य के संचालन के लिये होगी ।

साधारण कार्य

1) निदेशकों की रिपोर्ट, 31 मार्च 2005 को तक लेखा परीक्षित तुलनपत्र, 31 मार्च 2005 को समाप्त वर्ष के परीक्षित लाभ और हानि लेखा, लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट को प्राप्त करना, उस पर विचार करना और उन्हें अपनाना।

निदेशक मंडल के आदेशानुसार
हिन्दुस्तान एंटिबायोटिक्स लि.

(ए.एस. वैद्य)
कंपनी सचिव

दिनांक : 3 अगस्त 2006
स्थान : पिंपरी, पुणे - 411018

सेवा में

1. कंपनी के सदस्य
2. मेसर्स खंडेलवाल, जैन एंड असोसिएटस,
   सनदी लेखापाल
   प्रथम तल, अलंकार सिनेमा बिल्डिंग
   16 कनॉट रोड,
   पुणे - 411001

टिप्पणी :

1. जो सदस्य बैठक में उपस्थित होने और मतदान देने के पात्र है वह अपने स्थान पर किसी भी व्यक्ति को प्रतिनिधि के रूप में उपस्थित होने और मत देने के लिये नियुक्त करने के भी हकदार है और प्रतिनिधि को कंपनी के सदस्य होना आवश्यक नहीं है।

2. अल्प सूचना जारी करने के लिये शेयरधारियों की सहमति प्राप्त कर ली गई है।

निदेशकों की रिपोर्ट

सज्जनों,

आपके निदेशकों को कंपनी के कार्यप्रचालन के संबंध में 51वीं वार्षिक रिपोर्ट के साथ 31 मार्च 2005 को समाप्त हुए वित्तीय वर्ष के लिये परीक्षित लेखा विवरण, लेखा परीक्षा रिपोर्ट प्रबंधन की टिप्पणियाँ और भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की टिप्पणियाँ प्रस्तुत करते हुए प्रसन्नता हो रही है।

2. निष्पादन - मुख्य मुद्दे

2.1 पिछले वर्ष की तुलना में कंपनी की संपूर्ण कार्यक्षमता को निम्नानुसार संक्षिप्त रूप में दर्शाया गया है।

(रु. लाखों में)

	विवरण	2004-2005	2003-2004
I.	बिक्री	7016	9828
II.	उत्पादन का मूल्य		
	i. बल्क ड्रग्ज	837	496
	ii. फार्मूलेशन्स		
	वायल्स	2295	1783
	गोलियाँ	1009	1486
	कैप्सूल्स	576	687
	आई वी फलूड	809	892
	अन्य	929	610
	iii. सुविधाएँ	669	3040
	कुल	7124	8994
III.	प्रचालन लाभ*	(500)	1850
IV.	लाभ/(हानि) वर्ष के लिये	**(3707)	(1554)
V.	निवल लाभ/(हानि)	**(3854)	(1637)

* ब्याज, मूल्यऱ्हास और डीआरई के पूर्व

** रू 553 लाख के अति समान्य व्यय (संचित अस्थागित राजस्व व्यय बट्टे खाते में)उपलब्ध कराने के उपरांत

2.2 कंपनी के लम्बी अवधि से लंबित हिन्दुस्तान मॅक्स जी. बी. लि.(एचएमजीबी) ने दिसंबर 2003 को उत्पादन प्रक्रिया समाप्त कर दी और पेनि. जी. संयत्र प्रचालन बंद कर दिया । तदानुसार कंपनी को एचएमजीबी से प्राप्त पट्टे पर किराया, उपयोगिताओं की बिक्री और एचएमजीबी को दिए हुए कर्मचारियों के वेतन और भत्ते के रूप में प्राप्त आय बंद हो गयी, जिसके परिणामस्वरूप कंपनी के प्रचालन को धक्का लगा क्योंकि कंपनी की वित्तीय स्थिति बहुत ही गंभीर थी । इस धक्के के बावजूद कंपनी ने अपना प्रचालन आरंभ रखा और ब्याज,मूल्यऱ्हास, डीआए और प्रावधानों के पूर्व कंपनी को पिछले वर्ष 29.75 करोड रूपये की तुलना मे 18.50 करोड रूपये प्रचालन प्राप्त किया । कंपनी की निवल हानि पिछले वर्ष के निवल हानि 25.80 करोड रू. की तुलना मे 16.37 करोड रू. रही ।

2.3 कंपनी की पुनरूत्थान योजना के प्रस्ताव का अनुमोदन अंतिम स्तर पर पहुंच गया है और इस संबंध में कंपनी को शीघ्र ही अपने पक्ष में निर्णय के अनुमोदन की आशा है । कंपनी ने भारत सरकार को संशोधित पुनरूत्थान योजना का मसौदा जून 2004 को प्रस्तुत किया था । जिसे भारत सरकार के संबंधित मंत्रालय और विभागों को प्रचालित किया था उसे सभी मंत्रालय और विभागों की टिप्पणियों के साथ सरकारी उपक्रम पुनरूत्थान बोर्ड (बीआरपीएसइ)को विचार विमर्श के लिये प्रस्तुत किया गया है बीआरपीएसइ ने कंपनी के पुनरूत्थान योजना के प्रस्ताव के पक्ष में विचार विमर्श किया है और उसे शीघ्र ही भारत सरकार व्दारा अनुमोदन की आशा है । जब यह पुनरूत्थान योजना के प्रस्ताव का अनुमोदन हो जायेगा और बीएफआर व्दारा पुनरूत्थान योजना की अन्य आवश्यक औपचारिकताएं पूर्ण होने के उपरांत आपकी कंपनी में महत्वपूर्ण परिवर्तन आयेगा और वह पुनरूत्थान योजना के प्रथम वर्ष से ही लाभ प्राप्त करने लगेगी ।

3. संयुक्त उपक्रम : हिन्दुस्तान मॅक्स जी.बी.लि.,

3.1 दिसंबर 2003 में एचएमजीबी व्दारा प्रचालन समाप्त करने पर कानूनी पद्वति के अनुसार एचएमजीबी से करार को समाप्त कर दिया और 21.6.2004 से पेनिसिलिन जी संयंत्र पर अपना अधिकारी प्राप्त कर लिया । कंपनी पेनिसिलिन जी संयंत्र को पटटे पर देने के लिये उपयुक्त पार्टी की खोज के लिये कोशिश कर

रही है । पेनिसिलिन जी संयंत्र में अन्य बल्क औषधि के विर्निमाण की संभावनाओं के लिये अन्य फार्मास्यूटिकल्स कंपनियों से तकनीकी सहयोग के लिये भी कोशिश जारी है ।

3.2 आपकी कंपनी एचएमजीबी और डीएसएम इन्फेक्टिवस् इंडिया लि, (डीएआईइंडिया), एचएमजीबी उन्यक अन्य प्रबंधन के लिये जिम्मेदार के विरूद्ध विभिन्न कानूनी कार्यवाही आरंभ की है । कंपनी ने बाकी अवधि के लिये करार के अंतर्गत अनेक वचनबद्धता पूर्ण करने में असफल होने पर कंपनी को जुर्माने और हर्जाने स्वरूप बकाया रकम की वसूली के लिये एचएमजीबी के प्रबंधन डीएआई के विरूद्ध अनेक मध्यस्थता कार्यवाही आरम्भ की है ।

4. शेअर पूंजी

4.1 31 मार्च 2005 को कंपनी की प्राधिकृत शेयर पूंजी 50 करोड रु. रही । कंपनी की अभिदत्त और प्रदत्त शेयर पूंजी 44,40,91,000/- रु. रही ।

5. उत्पादन

5.1 उत्पादन का मूल्य पिछले वर्ष 89.94 करोड रुपये की तुलना मे वर्ष 2004-05 को 71.24 करोड रु. प्राप्त किया है ।

5.2 वर्ष के दौरान कुल उत्पादन मूल्य 71.24 करोड रु. रहा जिसमे फार्मूलेशन्स और बल्क के अंशदान 64.55 करोड रु. उपयोगिता का 06.69 करोड रु. क्रमशः रहा ।

5.3 वर्ष के दौरान दिसम्बर, 2003 को एचएमजीबी के प्रचालन समाप्त करने से कार्यकारी पूंजी मे कमी से उत्पादन प्रक्रिया गंभीर रूप से प्रभावित हुई ।

6. बिक्री

6.1 वर्ष के दौरान कंपनी का आवर्त पिछले वर्ष के 98.28 करोड रु. की तुलना में 70.16 करोड रु. रहा ।

6.2 कंपनी की बिक्री आवर्त में पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष महत्वपूर्ण कमी आई है । इसका मुख्य कारण एचएमजीबी के उत्पादन मे कमी /प्रचालन समाप्त करने पर उपयोगिता की बिक्री रही । वर्ष के दौरान उत्पादन प्रक्रियाओं में बुरा प्रभाव के कारण उपरोक्त में उल्लिखित किये गये है ।

7. परियोजना इंजिनियरिंग और उपयोगिता

7.1 वर्ष के दौरान इंजीनियरिंग विभाग ने विनिर्माण विभाग को रखरखाव, निरोधक रखरखाव, और टूटफूट रखरखाव जारी रखने में अपना सहयोग प्रदान किया। जिससे कम से कम मशीन खारिज समय कम कर अधिकतम उत्पादन लागत सुनिश्चित किया जा सके।

8. पर्यावरण नियंत्रण

8.1 वर्ष के दौरान कंपनी ने केन्द्रीय और राज्य प्रदूषण बोर्ड की सांविधिक आवश्यकता को पूर्ण किया। स्वच्छ हराभरा वातावरण के लिये कंपनी ने आसपास बड़े स्तर पर वृक्षारोपण किये गये है।

9. प्रबंधन और तकनीकी सेवाएं

9.1 वर्ष के दौरान प्रबंधन और तकनीकी सेवा विभाग द्वारा ईंधन बचत संयंत्र में आने वाली कठिनाइयों, संयंत्र और बेकार पडी सुविधाओं के प्रयोग के लिये इच्छुक बाहरी पार्टियों से समन्वय करना, विभिन्न एमआईएस रिपोर्ट तैयार करने के लिये आवश्यक सामग्री इत्यादि कार्य किये ।

10. गुणवत्ता नियंत्रण और गुणवत्ता आश्वासन

10.1 गुणवत्ता नियंत्रण और गुणवत्ता आश्वासन ने विभिन्न उत्पाद और प्रक्रिया पर ध्यान केंद्रित किया । जिससे रोगी तक उच्च गुणवत्ता से परिपूर्ण औषधि पहुँचे वर्तमान में कंपनी डब्ल्यूएचओ जीएमपी एक महत्वपूर्ण प्रमाणपत्र प्राप्त करने की प्रक्रिया में है। गुणवत्ता नियंत्रण, गुणवत्ता आश्वासन में उन्नत प्रशिक्षण की व्यवस्था की, जिससे कि कर्मचारियों को विश्लेषणात्मक तकनीकी और पद्धति का ज्ञान प्रदान किया जा सके।

11. अनुसंधान और विकास

11.1 अनुसंधान और विकास विभाग के वर्ष 2004-05 के दौरान किये गये मुख्य महत्त्वपूर्ण कार्य इस प्रकार है ।

क. नये फार्मूलेशन विकास के अंतर्गत है रूढिवादी डोसेज सहित एंटि-एन्फल्मेंटरी,एंटि हिस्टामिनिक, एंटि एमियोबिक, एंटि इंफेक्टीव ड्रग्स के आते है । मुख्य उत्पाद और सिफाक्लोर घुलनशील गोलियां, ''लोवोफलोक्सेसिन गोलियां'', ''लोवोफलोक्सेसिन इन्फूशन'' और लोवोफलोसासिलन + डैक्टोज इन्फूशन का विकास । ''अॅमोक्सिसिलन + लैक्टिक एसिड बेसिलस घुजनशील गोलियां'' और सिफोपिराजोन + सुबैक्टम इंजे. का वाणिज्यकरण । वर्तमान फार्मूलेशन के लिये लागत नियंत्रण कम करने की प्रक्रिया जारी रही ।

ख. वर्तमान उपलब्ध नशीली औषधि शिनाख्त किट में सुधार और उत्पादन आरंम्भ किया है दो नये किट उदा छोटे माप के नशीली औषधि शिनाख्त (स्थापक शक्तिक और निर्जलीय) और पूर्वगामी रसायन कीट का विकास आरम्भ किया है । यह परियोजना राजस्व निर्माण का प्रत्यक्ष स्त्रोत है ।

ग. इलिसा ग्रेड पेसिलिनिनेस उत्पादन पुनः आरम्भ और विपणन के लिये आरम्भ किया।यह परियोजना राजस्व निर्माण का प्रत्यक्ष स्त्रोत है ।

घ. ट्रिचोडर्मा विरीडी पर आधारित बायोपेस्टीसाइड बायोफंगिसाइड का विकास । क्षेत्रीय परीक्षण और टाक्सिस्सिट अध्ययन उन्नत पर है ।

च. आरियोफंगीन फफुंदीनाशक खेतीहर प्रयोग हेतू और हमायसिन फफूंदी नाशक (मानव प्रयोग हेतु) उत्पादन और विकास ।

छ. बायोपेस्टीसाइड आधारित बेसीलस थुरिंजीनेसीस वास केनिया (खेतीहर उपयोग के लिये) का विकास और वाणिज्यकरण । केन्द्रीय इन्सेक्टीसाइड बोर्ड फरीदाबाद व्दारा वाणिज्य उत्पादन के लिये अस्थाई विनिर्माण लाइसेंसे की प्रतीक्षा की जा रही है ।

12. सहायक कंपनियाँ

12.1 कर्नाटक एंटिबायोटिक्स एवं फार्मास्यूटिकल्स लि., ने उसकी प्रतिस्थापना के वर्ष से ही निरंतर लाभ का रिकार्ड स्थापित किया है । पिछले वर्ष 287 लाख रू. की तुलना में वर्ष के दौरान कंपनी ने 327 लाख रू. लाभ प्राप्त किया है । कर्नाटक एंटि एवं फार्मास्युटिकल्स लि. ने पिछले वर्ष के 7971 लाख रू. की तुलना में वर्ष के दौरान 8886 लाख रूपये का आवर्त प्राप्त किया ।

12.2 वर्ष के दौरान बीआयएफआर के कंपनी बन्द करने आदेश दिए थे और इसकी पुष्टि एएआइएफआर व्दारा की गई । जबकि कुछ कर्मचारियों द्वारा कंपनी बन्द करने के आदेश के याचिका विरूद्ध पर माननीय उच्च न्यायालय, बंबई, नागपुर के स्थगन आदेश दिये थे उसी अवधि में उच्च न्यायालय, बंबई नागपुर बेंच के आदेश के अनुसार आपकी कंपनी के माध्यम से प्राप्त भारत सरकार व्दारा निधि की सहायता से व्हीएसएस योजना का कार्यान्वयन किया गया और सभी कर्मचारियो को व्हीएसएस अन्तर्गत कार्यमुक्त किया गया । इसके अतिरिक्त भारत सरकार ने आपकी कंपनी के माध्यम से अयोजनाकृत ऋण 8.5 करोड रू. एमएपीएल कर्मचारियों के बकाया रकम का भुगतान कर दिया ।

12.3 मणिपुर राज्य औषधि और फार्मास्यूटिकल्स लि. (एमएसडीपीएल) निदेशक मंडल के निर्णय का आधार पर बन्द कर दी गयी है, और बन्द करने पर आवश्यक मुआवजा का भुगतान कर्मचारियों को मणिपुर सरकार द्वारा जारी निधि से किया गया है ।

12.4 बीआईएफआर द्वारा समापन आदेश के कारण एमएपीएल की कठिनाइयों और एमएसडीपीएल मे कानून व्यवस्था की कठिनाईयों के कारण, महाराष्ट्र एंटिबायोटिक्स एवं फार्मा लि, के 1999-2000 से 2004ह05 और एमएसडीपीएल के 1997ह1998 से 2004ह05 की रिपोर्ट कंपनी के तुलनपत्र पर कंपनी अधिनियम 1956 की धारा 212 (8) के अंतर्गत प्रस्तुत नहीं की है । इसके लिये कंपनी व्यापार विभाग से छूट प्राप्त कर ली गई है ।

13. औद्योगिक संबंध

13.1 वर्ष के दौरान कंपनी में कामगार यूनियन और अधिकारी असोसिएशन की नियमित बैठकों के आयोजन और कर्मचारियों की प्रभावी भागीदारी फोरम के कारण औद्योगिक संबंध निरंतर सौहार्दपूर्ण रहे।